



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकरण से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 425] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 21, 1987/श्रावण 30, 1909  
No. 425] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 21, 1987/SRAVANA 30, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कृषि मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1987

अधिमूचनाएं

का.प्रा 786(अ) :—राष्ट्रपति, मंत्रिपरिषद् के अनुच्छेद 258 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और  
इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करने हुए, तथा इस विषय से संबंधित  
सभी पूर्ववर्ती अधिमूचनाओं को, जहां तक उनका संबंध अरुणाचल प्रदेश राज्य से है, अतिष्ठित करते हुए  
अरुणाचल प्रदेश सरकार की सहमति से, उस सरकार को—

(1) भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 (1894 का 1) के अधीन केन्द्रीय सरकार के कृत्य, सिवाय  
उन कृत्यों के जो उन अधिनियम की धारा 55 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन  
केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रयोज्य हैं, और

- (2) अरुणाचल प्रदेश राज्य में संघ के प्रयोजनों के लिये भूमि के अधिग्रहण के संबंध में, भूमि अधिग्रहण (कम्पनी) नियम, 1963 के अधीन केन्द्रीय सरकार के कृत्य, निम्नलिखितमें जनों के अधीन रहने हुए सौंपे हैं, अर्थात् :—
- (क) अरुणाचल प्रदेश सरकार, ऐसे कृत्यों को करने में ऐसे साधारण और विशेष विदेशों का अनुपालन करेगी जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर जारी करे, और
- (ख) कृत्यों के इस प्रकार सौंपे जाने पर भी, केन्द्रीय सरकार यदि वह किसी मामले में ऐसा करना ठीक समझती है तो, उक्त कृत्यों में से किसी को स्वयं कर सकेगी।

[फा.सं. ए सी यू. 13014/4/87-एसआरडी]

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 20th August, 1987

### NOTIFICATIONS

S.O. 786(E).—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf and in supersession of all previous notifications on the subject in so far as they relate to the State of Arunachal Pradesh, the President, with the consent of the Government of Arunachal Pradesh, hereby entrusts to that Government, the functions of the Central Government under :—

- (i) the Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894) except the functions exercisable by the Central Government under the proviso to sub-section (1) of section 55 of the said Act; and
- (ii) the Land Acquisition (Companies) Rules, 1963, in relation to the acquisition of land for the purposes of the Union in the State of Arunachal Pradesh, subject to the following conditions, namely :—
  - (a) that in the exercise of such functions, the Government of Arunachal Pradesh shall comply with such general and special directions as the Central Government may, from time to time, issue; and
  - (b) that notwithstanding the entrustment, the Central Government may itself exercise any of the said functions should it deem fit to do so in any case.

[F. No. Acq. 13014/4/87-LRD]

का.प्रा. 787(अ) :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 258 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा इस विषय से संबंधित सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं को, जहां तक उनका संबंध गुजरात राज्य में है, प्रतिष्ठित करने हुए गुजरात सरकार की सहमति से, उस सरकार को—

- (1) भूमि अधिनियम, 1894 (1894 का 1) के अधीन केन्द्रीय सरकार के कृत्य, सिवाय उन के जो उक्त अधिनियम की धारा 55 की उपधारा (1) के परन्तुक के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रयोज्य हैं, और
- (2) गुजरात राज्य में संघ के प्रयोजनों के लिये भूमि के अधिग्रहण के संबंध में भूमि अधिग्रहण (कम्पनी) नियम, 1963 के अधीन केन्द्रीय सरकार के कृत्य, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए सौंपे हैं, अर्थात् :—
- (क) गुजरात सरकार, ऐसे कृत्यों को करने में, ऐसे साधारण और विशेष निदेशों का अनुपालन करेगी जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर, जारी करे; और
- (ख) कृत्यों के इस प्रकार सौंप जाने पर भी, केन्द्रीय सरकार, यदि वह किसी मामले में ऐसा करना ठीक समझती है, तो उक्त कृत्यों में से किसी को स्वयं कर सकेगी।

[का.सं. 12011/32/17/84-एल.प्रा.डी]

के.डी. सक्सेना, संयुक्त सचिव

S.O. 787(E).—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf and in supersession of all previous notifications on the subject in so far as they relate to the State of Gujarat, the President, with the consent of the Government of Gujarat, hereby entrusts to that Government, the functions of the Central Government under :—

- (1) the Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894) except the functions exercisable by the Central Government under the proviso to sub-section (1) of section 55 of the said Act; and
- (ii) the Land Acquisition (Companies) Rules, 1963, in relation to the acquisition of land for the purposes of the Union in the State of Gujarat, subject to the following conditions, namely :—
  - (a) that in the exercise of such functions, the Government of Gujarat shall comply with such general and special directions as the Central Government may, from time to time, issue; and

- (b) that notwithstanding the entrustment, the Central Government may itself exercise any of the said functions should it deem fit to do so in any case.

[F. No. 12011/32/17/84-LRD]

K. B. SAXENA, Jt. Secy.